चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक जागरण........

दिनांक ..5..3..2021...पृष्ठ संख्या.....5...............कॉलम......5.............

वर्तमान में विज्ञान को आत्मसात करना जरूरी : डा. कुलदीप

जासं, हिसार : आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी साकार हो पाएगा जब हम समय के साथ विज्ञान के बदलते सिद्धांतों को आत्मसात करेंगे। आत्मनिर्भर बनने के लिए हमें अपनी शिक्षा में हर स्तर पर आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और आत्मचिंतन को अपनाना होगा। आने वाला समय विज्ञान का है और 21वीं सदी में वो लोग अनपढ़ नहीं होंगे जो पढ़ और लिख नहीं सकते बल्कि उन्हें अनपढ़ माना जाएगा।

जो सीखेंगे नहीं, सीखे हुए को भूलेंगे नहीं और नए बदलते परिवेश में दोबारा से नए तरीके से सीखने की कोशिश नहीं करेंगे। ये विचार अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विज्ञानी एवं मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता डा. कुलदीप सिंह ढींढसा ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की एचएयू साइंस फोरम द्वारा आयोजित वर्चुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने की जबकि कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विभाग से प्रोफसर किरण सिंह मुख्य वक्ता मौजूद रहे। शुभारंभ अवसर पर स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डा. आशा क्वात्रा ने कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....दैनिक भास्कर........

दिनांक ...5.3.2021... पृष्ठ संख्या .....2..... कॉलम ...4-5...

एचएयू में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर कार्यक्रम

हिसार | आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी साकार हो पाएगा, जब हम समय के साथ विज्ञान के बदलते सिद्धांतों को आत्मसात करेंगे। आत्मनिर्भर बनने के लिए हमें अपनी शिक्षा में हर स्तर पर आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और आत्मचिंतन को अपनाना होगा। ये विचार अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक एवं मौलिक एवं मानविकी कॉलेज के पूर्व अधिष्ठाता डॉ. कुलदीप सिंह ढींढसा ने व्यक्त किए। वे एचएयू की एचएयू साइंस फोरम द्वारा आयोजित वर्चुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने की और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विभाग से प्रोफेसर किरण सिंह मुख्य वक्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्वात्रा ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। मुख्यातिथि ने डॉ. सीवी रमन के जीवनकाल व उनकी उपलब्धियों पर भी चर्चा की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं न्यूज	**04.03.2021**	--	--

एचएयू में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आयोजित

■ अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक डॉ. कुलदीप सिंह ढींढसा सहित अन्य वैज्ञानिकों ने रखे विचार

हिसार (सच कहूं न्यूज)।

आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी साकार हो पाएगा जब हम समय के साथ विज्ञान के बदलते सिद्धांतों को आत्मसात करेंगे। आत्मनिर्भर बनने के लिए हमें अपनी शिक्षा में हर स्तर पर आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और आत्मचिंतन को अपनाना होगा। ए विचार अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक एवं मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता डॉ. कुलदीप सिंह ढींढसा ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की एचएयू साइंस फोरम द्वारा आयोजित वर्चुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का मुख्य विषय विज्ञान, तकनीकी और नवोन्मेष का शिक्षा, कार्य और कौशल पर प्रभाव रखा गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की जबकि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विभाग से प्रोफेसर किरण सिंह मुख्य वक्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्वात्रा ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रुपरेखा से अवगत कराया। मुख्यातिथि ने कहा कि आने वाला समय विज्ञान का है और 21वीं सदी में वो लोग अनपढ़ नहीं होंगे जो पढ़ और लिख नहीं सकते बल्कि उन्हें अनपढ़ माना जाएगा जो सीखेंगे नहीं, सीखे हुए को भूलेंगे नहीं और नए बदलते परिवेश में दोबारा से नए तरीके से सीखने की कोशिश नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि विज्ञान जगत में वैश्विक स्तर पर पहचान बनाने के लिए युवा पीढ़ी को विज्ञान की तरफ आकर्षित करना होगा तभी यह संभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी की दिमागी शक्ति बहुत है लेकिन उसको सही दिशा देते हुए मानवता की भलाई के लिए प्रयोग में लाना अति आवश्यकता है। युवा पीढ़ी इस काबिल है कि वह हर प्रकार की परिस्थितियों में स्वयं को ढाल सकती है। मुख्यातिथि ने डॉ. सी.वी. रमन के जीवनकाल व उनकी उपलब्धियों पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज	**04.03.2021**	--	--

आत्मनिर्भर भारत के लिए विज्ञान को आत्मसात करना जरूरी : डॉ. कुलदीप सिंह ढींढसा

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी साकार हो पाएगा जब हम समय के साथ विज्ञान के बदलते सिद्धांतों को आत्मसात करेंगे। आत्मनिर्भर बनने के लिए हमें अपनी शिक्षा में हर स्तर पर आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और आत्मचिंतन को अपनाना होगा। ये विचार अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक एवं मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता डॉ. कुलदीप सिंह ढींढसा ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की एचएयू साइंस फोरम द्वारा आयोजित वर्चुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का मुख्य विषय विज्ञान, तकनीकी और नवोन्मेष का शिक्षा, कार्य और कौशल पर प्रभाव रखा गया है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की जबकि कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विभाग से प्रोफसर किरण सिंह मुख्य वक्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्वात्रा ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। मुख्यातिथि ने कहा कि आने वाला समय विज्ञान का है और 21वीं सदी में वो लोग अनपढ़ नहीं होंगे जो पढ़ और लिख नहीं सकते बल्कि उन्हें अनपढ़ माना जाएगा जो सीखेंगे नहीं,सीखे हुए को भूलेंगे नहीं और नए बदलते परिवेश में दोबारा से नए तरीके से सीखने की कोशिश नहीं करेंगे।

युवा पीढ़ी को विज्ञान के प्रति प्रेरित करना जरूरी : प्रोफेसर समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि आने वाला समय विज्ञान का है और युवा पीढ़ी को विज्ञान के प्रति प्रेरित करते हुए उन्हें अवसर दिए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि विज्ञान को बच्चों को बतौर अपने करियर को चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए ताकि हमारे देश की आनेवाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना योगदान दे सके और हमारे देश की और तरक्की हो सके। उन्होंने कहा कि विज्ञान ने कृषि के क्षेत्र में क्रांति ला दी है और वर्तमान में कृषि क्षेत्र में नई-नई तकनीकों का विकास हुआ है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. किरण सिंह ने बहुत ही सरल शब्दों में विज्ञान एवं तकनीकों के विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने विज्ञान को उपयोग करके मानव जीवन को सरल बनाने को लेकर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर वाद-विवाद प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, ड्राइंग और पेंटिंग जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**03.03.2021**	--	--

एचएयू में आयोजित वर्चुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक डॉ. कुलदीप सिंह ढींढसा सहित कई वैज्ञानिकों ने रखे विचार

आत्मनिर्भर भारत के लिए विज्ञान को आत्मसात करना जरूरी : डॉ. ढींढसा

पांच बजे न्यूज

हिसार। आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी साकार हो पाएगा जब हम समय के साथ विज्ञान के बदलते सिद्धांतों को आत्मसात करेंगे। आत्मनिर्भर बनने के लिए हमें अपनी शिक्षा में हर स्तर पर आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और आत्मचिंतन को अपनाना होगा। ये विचार अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक एवं मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता डॉ. कुलदीप सिंह ढींढसा ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की एचएयू साइंस फोरम द्वारा आयोजित वर्चुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का मुख्य विषय विज्ञान, तकनीकी और नवोन्मेष का शिक्षा, कार्य और कौशल पर प्रभाव रखा गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की जबकि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विभाग से प्रोफसर किरण सिंह मुख्य वक्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्वात्रा ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। मुख्यातिथि ने कहा कि आने वाला समय विज्ञान का है और 21वीं सदी में वो लोग अनपढ़ नहीं होंगे जो पढ़ और लिख नहीं सकते बल्कि उन्हें अनपढ़ माना जाएगा जो सीखेंगे नहीं,सीखे हुए को भूलेंगे नहीं और नए बदलते परिवेश में दोबारा से नए तरीके से सीखने की कोशिश नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि विज्ञान जगत में वैश्विक स्तर पर पहचान बनाने के लिए युवा पीढ़ी को विज्ञान की तरफ आकर्षित करना होगा तभी यह संभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी की दिमागी शक्ति बहुत है लेकिन उसको सही दिशा देते हुए मानवता की भलाई के लिए प्रयोग में लाना अति आवश्यकत है। युवा पीढ़ी इस काबिल है कि वह हर प्रकार की परिस्थितियों में स्वयं को ढाल सकती है। मुख्यातिथि ने डॉ. सी.वी. रमन के जीवनकाल व उनकी उपलब्धियों पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की।

युवा पीढ़ी को विज्ञान के प्रति प्रेरित करना जरूरी : प्रोफेसर समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि आने वाला समय विज्ञान का है और युवा पीढ़ी को विज्ञान के प्रति प्रेरित करते हुए उन्हें अवसर दिए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि विज्ञान को बच्चों को बतौर अपने करियर को चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए ताकि हमारे देश की आनेवाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना योगदान दे सकें और हमारे देश की ओर तरक्की हो सके। उन्होंने कहा कि विज्ञान ने कृषि के क्षेत्र में क्रांति ला दी है और वर्तमान में कृषि क्षेत्र में नई-नई तकनीकों का विकास हुआ है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. किरण सिंह ने बहुत ही सरल शब्दों में विज्ञान एवं तकनीकी के विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने विज्ञान को उपयोग करके मानव जीवन को सरल बनाने को लेकर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर वाद-विवाद प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, ड्राइंग और पेंटिंग जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें जिलेभर से करीब 12 स्कूलों और 6 कॉलेजों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। एचएयू साइंस फोरम के सचिव डॉ. बलजीत सहारण ने बताया कि प्रत्येक स्पर्धा में तीन वर्ग बनाए गए थे। प्रत्येक वर्ग में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर आने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हर साल हम राष्ट्रीय विज्ञान दिवस को उत्सव के रूप में मनाते हैं। इस दौरान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ख्याति के विभिन्न संस्थानों के विशेषज्ञ व्याख्यानों का भी आयोजन किया गया। इस दौरान एचएयू साइंस फोरम के संयुक्त सचिव डॉ. जयंत सिंधु और डॉ. उर्वशी नांदल ने सक्रिय रूप से कार्यक्रमों में भाग लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, भण्डारण एवं क्रय अधिकारी डॉ. राजेश गेरा, भौतिकी के विभागाध्यक्ष डॉ. पॉल सिंह, डॉ. रीटा दहिया, डॉ. लीलावती के अलावा विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, निदेशकों सहित कई स्कूलों और कॉलेजों के विद्यार्थियों ने इस वर्चुअल नेशनल साइंस डे-2021 में शिरकत की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**03.03.2021**	--	--

आत्मनिर्भर भारत के लिए विज्ञान को आत्मसात करना जरूरी : डॉ. ढींढसा

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी साकार हो पाएगा जब हम समय के साथ विज्ञान के बदलते सिद्धांतों को आत्मसात करेंगे। आत्मनिर्भर बनने के लिए हमें अपनी शिक्षा में हर स्तर पर आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और आत्मचिंतन को अपनाना होगा। ये विचार अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक एवं मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता डॉ. कुलदीप सिंह ढींढसा ने व्यक्त किए। वे वर्चुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का मुख्य विषय विज्ञान, तकनीकी और नवोन्मेष का शिक्षा, कार्य और कौशल पर प्रभाव रखा गया है।

हिसार। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर संबोधित करते मुख्यातिथि व मौजूद अन्य।

मुख्यातिथि ने कहा कि आने वाला समय विज्ञान का है और 21वीं सदी में वो लोग अनपढ़ नहीं होंगे जो पढ़ और लिख नहीं सकते बल्कि उन्हें अनपढ़ माना जाएगा जो सीखेंगे नहीं,सीखे हुए को भूलेंगे नहीं और नए बदलते परिवेश में दोबारा से नए तरीके से सीखने की कोशिश नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि विज्ञान जगत में वैश्विक स्तर पर पहचान बनाने के लिए युवा पीढ़ी को विज्ञान की तरफ आकर्षित करना होगा तभी यह संभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी की दिमागी शक्ति बहुत है लेकिन उसको सही दिशा देते हुए मानवता की भलाई के लिए प्रयोग में लाना अति आवश्यकत है। मुख्यातिथि ने डॉ. सी.वी. रमन के जीवनकाल व उनकी उपलब्धियों पर भी चर्चा की।

कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि आने वाला समय विज्ञान का है और युवा पीढ़ी को विज्ञान के प्रति प्रेरित करते हुए उन्हें अवसर दिए जाने चाहिए। बच्चों को बतौर अपने करियर को चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए ताकि हमारे देश की आनेवाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना योगदान दे सकें और हमारे देश की ओर तरक्की हो सके।

मुख्य वक्ता डॉ. किरण सिंह ने विज्ञान एवं तकनीकी के विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने विज्ञान को उपयोग करके मानव जीवन को सरल बनाने को लेकर जानकारी दी। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर वाद-विवाद प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, ड्राइंग और पेंटिंग जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें जिलेभर से करीब 12 स्कूलों और 6 कॉलेजों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, डॉ. राजेश गेरा, डॉ. पॉल सिंह, डॉ. रीटा दहिया, डॉ. लीलावती के अलावा विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, निदेशकों सहित कई स्कूलों और कॉलेजों के विद्यार्थियों ने इस वर्चुअल नेशनल साइंस डे-2021 में शिरकत की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	03.03.2021	--	--

आत्मनिर्भर भारत के लिए विज्ञान को आत्मसात करना जरूरी : डॉ. कुलदीप सिंह ढींढसा

एचएयू में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आयोजित

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी साकार हो पाएगा जब हम समय के साथ विज्ञान के बदलते सिद्धांतों को आत्मसात करेंगे। आत्मनिर्भर बनने के लिए हमें अपनी शिक्षा में हर स्तर पर आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और आत्मचिंतन को अपनाना होगा। ये विचार अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक एवं मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता डॉ. कुलदीप सिंह ढींढसा ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की एचएयू साइंस फोरम द्वारा आयोजित वर्चुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का मुख्य विषय विज्ञान, तकनीकी और नवोन्मेष का शिक्षा, कार्य और कौशल पर प्रभाव रखा गया है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की जबकि कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विभाग से प्रोफसर किरण सिंह मुख्य वक्ता मौजूद रहे।

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्वात्रा ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। मुख्यातिथि ने कहा कि आने वाला समय विज्ञान का है और 21वीं सदी में वो लोग अनपढ़ नहीं होंगे जो पढ़ और लिख नहीं सकते बल्कि उन्हें अनपढ़ माना जाएगा जो सीखेंगे नहीं,सीखे हुए को भूलेंगे नहीं और नए बदलते परिवेश में दोबारा से नए तरीके से सीखने की कोशिश नहीं करेंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि आने वाला समय विज्ञान का है और युवा पीढ़ी को विज्ञान के प्रति प्रेरित करते हुए उन्हें अवसर दिए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि विज्ञान को बच्चों को बतौर अपने करियर को चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए ताकि हमारे देश की आनेवाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना योगदान दे सकें और हमारे देश की ओर तरक्की हो सके।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर वाद-विवाद प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, ड्राइंग और पेंटिंग जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें जिलेभर से करीब 12 स्कूलों और 6 कॉलेजों के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

एचएयू साइंस फोरम के सचिव डॉ. बलजीत सहारण ने बताया कि प्रत्येक स्पर्धा में तीन वर्ग बनाए गए थे। प्रत्येक वर्ग में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर आने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। इस दौरान एचएयू साइंस फोरम के संयुक्त सचिव डॉ. जयंत सिंधु और डॉ. उर्वशी नांदल ने सक्रिय रूप से कार्यक्रमों में भाग लिया।

यह रहे मौजूद

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, भण्डारण एवं क्रय अधिकारी डॉ. राजेश गेरा, भौतिकी के विभागाध्यक्ष डॉ. पॉल सिंह, डॉ. रीटा दहिया, डॉ. लीलावती के अलावा विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, निदेशकों सहित कई स्कूलों और कॉलेजों के विद्यार्थियों ने इस वर्चुअल नेशनल साइंस डे-2021 में शिरकत की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**03.03.2021**	--	--

'युवा पीढ़ी इस काबिल है कि वह सभी परिस्थितियों में स्वयं को ढाल सकती है'

हिसार/03 मार्च/रिपोर्टर

आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी साकार हो पाएगा जब हम समय के साथ विज्ञान के बदलते सिद्धांतों को आत्मसात करेंगे। आत्मनिर्भर बनने के लिए हमें अपनी शिक्षा में हर स्तर पर आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और आत्मचिंतन को अपनाना होगा। ये विचार मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता डॉ. कुलदीप सिंह ढींढसा ने व्यक्त किए। वे एचएयू साइंस फोरम द्वारा आयोजित वर्चुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का मुख्य विषय विज्ञान, तकनीकी और नवोन्मेष का शिक्षा, कार्य और कौशल पर प्रभाव रखा गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की जबकि कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विभाग से प्रोफेसर किरण सिंह मुख्य वक्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्वात्रा ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। मुख्यातिथि ने कहा कि आने वाला समय विज्ञान का है और 21वीं सदी में वो लोग अनपढ़ नहीं होंगे जो पढ़ और लिख नहीं सकते बल्कि उन्हें अनपढ़ माना जाएगा जो सीखेंगे नहीं, सीखे हुए को भूलेंगे नहीं और नए बदलते परिवेश में दोबारा से नए तरीके से सीखने की कोशिश नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि विज्ञान जगत में वैश्विक स्तर पर पहचान बनाने के लिए युवा पीढ़ी को विज्ञान की तरफ आकर्षित करना होगा तभी यह संभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी की दिमागी शक्ति बहुत है लेकिन उसको सही दिशा देते हुए मानवता की भलाई के लिए प्रयोग में लाना अति आवश्यकता है। युवा पीढ़ी इस काबिल है कि वह हर प्रकार की परिस्थितियों में स्वयं को ढाल सकती है। मुख्यातिथि ने डॉ. सीवी रमन के जीवनकाल व उनकी उपलब्धियों पर भी चर्चा की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि आने वाला सनय विज्ञान का है और युवा पीढ़ी को विज्ञान के प्रति प्रेरित करते हुए उन्हें अवसर दिए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि विज्ञान को बच्चों को बतौर अपने करियर को चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए ताकि हमारे देश की आनेवाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना योगदान दे सकें और हमारे देश की ओर तरक्की हो सके। उन्होंने कहा कि विज्ञान ने कृषि के क्षेत्र में क्रांति ला दी है और वर्तमान में कृषि क्षेत्र में नई-नई तकनीकों का विकास हुआ है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. किरण सिंह ने बहुत ही सरल शब्दों में विज्ञान एवं तकनीकी के विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने विज्ञान को उपयोग करके मानव जीवन को सरल बनाने को लेकर जानकारी दी। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर वाद-विवाद प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, ड्राइंग और पेंटिंग जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें जिलेभर से करीब 12 स्कूलों और 6 कॉलेजों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। एचएयू साइंस फोरम के सचिव डॉ. बलजीत सहारण ने बताया कि प्रत्येक स्पर्धा में तीन वर्ग बनाए गए थे। प्रत्येक वर्ग में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर आने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हर साल हम राष्ट्रीय विज्ञान दिवस को उत्सव के रूप में मनाते हैं। इस दौरान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ख्याति के विभिन्न संस्थानों के विशेषज्ञ व्याख्यानों का भी आयोजन किया गया इस दौरान एचएयू साइंस फोरम के संयुक्त सचिव डॉ. जयंत सिंधु और डॉ. उर्वशी नांदल ने सक्रिय रूप से कायक्रमों में भाग लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज, भण्डारण एवं क्रय अधिकारी डॉ. राजेश गेरा, भौतिकी के विभागाध्यक्ष डॉ. पॉल सिंह, डॉ. रीटा दहिया, डॉ. लीलावती के अलावा विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, निदेशकों सहित कई स्कूलों और कॉलेजों के विद्यार्थियों ने इस वर्चुअल नेशनल साइंस डे-2021 में शिरकत की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	03.03.2021	--	--

आत्मनिर्भर भारत के लिए विज्ञान को आत्मसात करना जरूरी : डॉ. कुलदीप सिंह ढींढसा

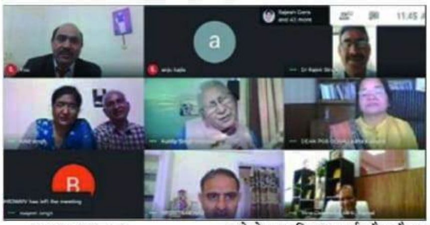

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 3 मार्च : आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी साकार हो पाएगा जब हम समय के साथ विज्ञान के बदलते सिद्धांतों को आत्मसात करेंगे। आत्मनिर्भर बनने के लिए हमें अपनी शिक्षा में हर स्तर पर आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और आत्मचिंतन को अपनाना होगा। ये विचार अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक एवं मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता डॉ. कुलदीप सिंह ढींढसा ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की एचएयू साइंस फोरम द्वारा आयोजित वर्चुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का मुख्य विषय विज्ञान, तकनीकी और नवोन्मेष का शिक्षा, कार्य और कौशल पर प्रभाव रखा गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की जबकि कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विभाग से प्रोफसर किरण सिंह मुख्य वक्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्वात्रा ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। मुख्यातिथि ने कहा कि आने वाला समय विज्ञान का है और 21वीं सदी में वो लोग अनपढ़ नहीं होंगे जो पढ़ और लिख नहीं सकते बल्कि उन्हें अनपढ़ माना जाएगा जो सीखेंगे नहीं,सीखे हुए को भूलेंगे नहीं और नए बदलते परिवेश में दोबारा से नए तरीके से सीखने की कोशिश नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि विज्ञान जगत में वैश्विक स्तर पर पहचान बनाने के लिए युवा पीढ़ी को विज्ञान की तरफ आकर्षित करना होगा तभी यह संभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी की दिमागी शक्ति बहुत है लेकिन उसको सही दिशा देते हुए मानवता की भलाई के लिए प्रयोग में लाना अति आवश्यकता है। युवा पीढ़ी इस काबिल है कि वह हर प्रकार की परिस्थितियों में स्वयं को ढाल सकती है। मुख्यातिथि ने डॉ. सी.वी. रमन के जीवनकाल व उनकी उपलब्धियों पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की।

युवा पीढ़ी को विज्ञान के प्रति प्रेरित करना जरूरी : प्रोफेसर समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि आने वाला समय विज्ञान का है और युवा पीढ़ी को विज्ञान के प्रति प्रेरित करते हुए उन्हें अवसर दिए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि विज्ञान को बच्चों को बतौर अपने करियर को चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए ताकि हमारे देश की आनेवाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना योगदान दे सकें और हमारे देश की ओर तरक्की हो सके। उन्होंने कहा कि विज्ञान ने कृषि के क्षेत्र में क्रांति ला दी है और वर्तमान में कृषि क्षेत्र में नई-नई तकनीकों का विकास हुआ है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. किरण सिंह ने बहुत ही सरल शब्दों में विज्ञान एवं तकनीकी के विषय पर अपने विचार रखे। एचएयू साइंस फोरम के सचिव डॉ. बलजीत सहारण ने बताया कि प्रत्येक स्पर्धा में तीन वर्ग बनाए गए थे। प्रत्येक वर्ग में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर आने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। इस दौरान एचएयू साइंस फोरम के संयुक्त सचिव डॉ. जयंत सिंधु और डॉ. उर्वशी नांदल ने सक्रिय रूप से कार्यक्रमों में भाग लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, भण्डारण एवं क्रय अधिकारी डॉ. राजेश गेरा, भौतिकी के विभागाध्यक्ष डॉ. पॉल सिंह, डॉ. रीटा दहिया, डॉ. लीलावती के अलावा विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, निदेशकों सहित कई स्कूलों और कॉलेजों के विद्यार्थियों ने इस वर्चुअल नेशनल साइंस डे-2021 में शिरकत की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे न्यूज	03.03.2021	--	--

आत्मनिर्भर भारत के लिए विज्ञान को आत्मसात करना जरूरी : डॉ. ढींढसा

अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक डॉ. कुलदीप सिंह ढींढसा सहित अन्य वैज्ञानिकों ने रखे विचार

टुडे न्यूज | हिसार

आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी साकार हो पाएगा जब हम समय के साथ विज्ञान के बदलते सिद्धांतों को आत्मसात करेंगे। आत्मनिर्भर बनने के लिए हमें अपनी शिक्षा में हर स्तर पर आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और आत्मचिंतन को अपनाना होगा। ये विचार अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक एवं मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता डॉ. कुलदीप सिंह ढींढसा ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की एचएयू साइंस फोरम द्वारा आयोजित वर्चुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

इस वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का मुख्य विषय विज्ञान, तकनीकी और नवोन्मेष का शिक्षा, कार्य और कौशल पर प्रभाव रखा गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की जबकि कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विभाग से प्रोफसर किरण सिंह मुख्य वक्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्वात्रा ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। मुख्यातिथि ने कहा कि आने वाला समय विज्ञान का है और 21वीं सदी में वो लोग अनपढ़ नहीं होंगे जो पढ़ और लिख नहीं सकते बल्कि उन्हें अनपढ़ माना जाएगा जो सीखेंगे नहीं,सीखे हुए को भूलेंगे नहीं और नए बदलते परिवेश में दोबारा से नए तरीके से सीखने की कोशिश नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि विज्ञान जगत में वैश्विक स्तर पर पहचान बनाने के लिए युवा पीढ़ी को विज्ञान की तरफ आकर्षित करना होगा तभी यह संभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी की दिमागी शक्ति बहुत है लेकिन उसको सही दिशा देते हुए मानवता की भलाई के लिए प्रयोग में लाना अति आवश्यकत है। युवा पीढ़ी इस काबिल है कि वह हर प्रकार की परिस्थितियों में स्वयं को ढाल सकती है। मुख्यातिथि ने डॉ. सी.वी. रमन के जीवनकाल व उनकी उपलब्धियों पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि आने वाला समय विज्ञान का है और युवा पीढ़ी को विज्ञान के प्रति प्रेरित करते हुए उन्हें अवसर दिए जाने चाहिए।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर संबोधित करते मुख्यातिथि व मौजूद अन्य।

उन्होंने कहा कि विज्ञान को बच्चों को बतौर अपने करियर को चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए ताकि हमारे देश की आनेवाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना योगदान दे सकें और हमारे देश की ओर तरक्की हो सके। उन्होंने कहा कि विज्ञान ने कृषि के क्षेत्र में क्रांति ला दी है और वर्तमान में कृषि क्षेत्र में नई-नई तकनीकों का विकास हुआ है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. किरण सिंह ने बहुत ही सरल शब्दों में विज्ञान एवं तकनीकी के विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने विज्ञान को उपयोग करके मानव जीवन को सरल बनाने को लेकर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर वाद-विवाद प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, ड्राइंग और पेंटिंग जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें जिलेभर से करीब 12 स्कूलों और 6 कॉलेजों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। एचएयू साइंस फोरम के सचिव डॉ. बलजीत सहारण ने बताया कि प्रत्येक स्पर्धा में तीन वर्ग बनाए गए थे। प्रत्येक वर्ग में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर आने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हर साल हम राष्ट्रीय विज्ञान दिवस को उत्सव के रूप में मनाते हैं। इस दौरान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ख्याति के विभिन्न संस्थानों के विशेषज्ञ व्याख्यानों का भी आयोजन किया गया। इस दौरान एचएयू साइंस फोरम के संयुक्त सचिव डॉ. जयंत सिंधु और डॉ. उर्वशी नांदल ने सक्रिय रूप से कार्यक्रमों में भाग लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, भण्डारण एवं क्रय अधिकारी डॉ. राजेश गेरा, भौतिकी के विभागाध्यक्ष डॉ. पॉल सिंह, डॉ. रीटा दहिया, डॉ. लीलावती के अलावा विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, निदेशकों सहित कई स्कूलों और कॉलेजों के विद्यार्थियों ने इस वर्चुअल नेशनल साइंस डे-2021 में शिरकत की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	**03.03.2021**	--	--

आत्मनिर्भर भारत के लिए विज्ञान को आत्मसात करना जरूरी: डॉ. ढींढसा

पल पल न्यूज:हिसार, 3 मार्च। आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी साकार हो पाएगा जब हम समय के साथ विज्ञान के बदलते सिद्धांतों को आत्मसात करेंगे। आत्मनिर्भर बनने के लिए हमें अपनी शिक्षा में हर स्तर पर आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और आत्मचिंतन को अपनाना होगा। ये विचार अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक एवं मौलिक एवं मानविकी महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता डॉ. कुलदीप सिंह ढींढसा ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की एचएयू साइंस फोरम द्वारा आयोजित वर्चुअल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का मुख्य विषय विज्ञान, तकनीकी और नवोन्मेष का शिक्षा, कार्य और कौशल पर प्रभाव रखा गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की जबकि कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के रसायन विभाग से प्रोफसर किरण सिंह मुख्य वक्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्वात्रा ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। मुख्यातिथि ने कहा कि आने वाला समय विज्ञान का है और 21वीं सदी में वो लोग अनपढ़ नहीं होंगे जो पढ़ और लिख नहीं सकते बल्कि उन्हें अनपढ़ माना जाएगा जो सीखेंगे नहीं,सीखे हुए को भूलेंगे नहीं और नए बदलते परिवेश में दोबारा से नए तरीके से सीखने की कोशिश नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि विज्ञान जगत में वैश्विक स्तर पर पहचान बनाने के लिए युवा पीढ़ी को विज्ञान की तरफ आकर्षित करना होगा तभी यह संभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी की दिमागी शक्ति बहुत है लेकिन उसको सही दिशा देते हुए मानवता की भलाई के लिए प्रयोग में लाना अति आवश्यकत है। युवा पीढ़ी इस काबिल है कि वह हर प्रकार की परिस्थितियों में स्वयं को ढाल सकती है। मुख्यातिथि ने डॉ. सी.वी. रमन के जीवनकाल व उनकी उपलब्धियों पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि आने वाला समय विज्ञान का है और युवा पीढ़ी को विज्ञान के प्रति प्रेरित करते हुए उन्हें अवसर दिए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि विज्ञान को बच्चों को बतौर अपने करियर को चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए ताकि हमारे देश की आनेवाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना योगदान दे सकें और हमारे देश की ओर तरक्की हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जीवन आधार	**03.03.2021**	**online**	**--**

आत्मनिर्भर भारत के लिए विज्ञान को आत्मसात करना जरूरी : डॉ. ढींढसा

अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक डॉ. कुलदीप सिंह ढींढसा सहित अन्य वैज्ञानिकों ने रखे विचार

हिसार,

[illegible]

युवा पीढ़ी को विज्ञान के प्रति प्रेरित करना जरूरी : [illegible]

[illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ......अमर उजाला......

दिनांक 4.3.2021 पृष्ठ संख्या ...2... कॉलम ...6-8...

किन्नू में सूत्रकृमि से बचाव के प्रति किया जागरूक

किन्नू खेत दिवस के दौरान किसानों को जानकारी देते वैज्ञानिक। संवाद

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा बुधवार को गांव खारा बरवाला किशनगढ़ में किन्नू खेत दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली के तत्वावधान में किया गया।

डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान, केंद्र नई दिल्ली द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ को अंगीकृत किया गया है। गांव का चयन किन्नू में समन्वित कीट प्रबंधन की रणनीतियों का विकास व वैधिकरण परियोजना के तहत अंगीकृत किया गया है। एनसीआईपीएम से सह-प्रोजेक्ट इन्वेस्टिगेटर डॉ. पीएम मीना ने बताया कि किन्नू में मुख्यतः सिट्रस सिल्ला, चूरडा, इल्ली, दीमक आदि कीट लगते हैं, जो फसल को काफी नुकसान पहुंचाते हैं। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........

दिनांक 5.3.2021....पृष्ठ संख्या.....2.........कॉलम.....5-6.........

किन्नू में सूत्रकृमि की समस्या के प्रति किया अवेयर

हिसार | एचएयू के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के तत्वावधान में किन्नू खेत दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। केंद्र के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार और एनसीआईपीएम से सह-प्रोजेक्ट इन्वेस्टिगेटर डॉ. पीएम मीना ने जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........ दैनिक सवेरा ....

दिनांक ....5.3.2021.... पृष्ठ संख्या....7.... कॉलम....4-6....

किसानों को किन्नू में सूत्रकृमि की समस्या व समाधान पर किया जागरूक

● कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ में खेत दिवस कार्यक्रम आयोजित

किन्नू खेत दिवस के दौरान किसानों को जानकारी देते वैज्ञानिक।

हिसार, 3 मार्च (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ में किन्नू खेत दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के तत्वाधान में किया गया।

कार्यक्रम के दौरान केंद्र के संयोजक डा. नरेंद्र कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान, केंद्र नई दिल्ली द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ को अंगीकृत किया गया है। एनसीआईपीएम से सह-प्रोजैक्ट इन्वैस्टिगेटर डा. पी. एम. मीना ने संबोधित करते हुए बताया कि किन्नू में चूरडा, इल्ली, चेपा, सुरंगी कीट, दीमक आदि कीट लगते हैं, जो फसल को काफी नुक्सान पहुंचाते हैं।

प्रधान वैज्ञानिक डा. सत्येंद्र ने किसानों को सूत्रकर्मी की समस्या के साथ-साथ उनके समाधान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही उन्होंने किन्नू खेत के भ्रमण के उपरांत किसानों को फसल में मौजूद बीमारियां जैसे डाई बैक, सिट्रस कैंकर, ग्रीनिंग आदि की पहचान एवं उनकी रोकथाम के उपाय बताए। डा. रघुवेंद्र ने किसानों को मित्र कीट जैसे लेडीबर्ड बीटल, क्राइसोपरला, मकड़ी, प्रेयिंग मेंटिस आदि की पहचान व उनका संरक्षण कर-के जैविक नियंत्रण को बढ़ावा देने की सलाह दी। कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर के संयोजक डा. नरेंद्र कुमार ने बताया कि यह परियोजना 3 से 4 साल तक चलेगी। उन्होंने कार्यक्रम में भाग लेने पर सभी का आभार व्यक्त किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	03.03.2021	--	--

किन्नू में सूत्रकृमि की समस्या और उसका समाधान के प्रति किया जागरूक

राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान, केंद्र नई दिल्ली द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ को अंगीकृत किया गया है: डॉ. नरेंद्र कुमार

पल पल न्यूज:हिसार, 3 मार्च। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ में किन्नू खेत दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के तत्वाधान में किया गया।

कार्यक्रम के दौरान केंद्र के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान, केंद्र नई दिल्ली द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ को अंगीकृत किया गया है। इस गांव का चयन किन्नू में समन्वित कीट प्रबंधन की रणनीतियों का विकास व वैधिकरण परियोजना के तहत अंगीकृत किया गया है। एनसीआईपीएम से सह-प्रोजेक्ट इन्वेस्टिगेटर डॉ. पी. एम. मीना ने संबोधित करते हुए बताया कि किन्नू में मुख्यत: सिट्रस सिल्ला, चूरडा, इल्ली, चेपा, सुरंगी कीट, दीमक आदि कीट लगते हैं, जो फसल को काफी नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने बताया कि इनकी रोकथाम कीटनाशकों के सुरक्षात्मक प्रयोग के द्वारा की जा सकती है। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सत्येंद्र ने किसानों को सूत्रकर्मी की समस्या के साथ-साथ उनके समाधान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही उन्होंने किसानों को मृदा जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए ट्राइकोडरमा का प्रयोग और रखरखाव आदि के बारे में बताया। उन्होंने किन्नू खेत के भ्रमण के उपरांत किसानों को फसल में मौजूद बीमारियां जैसे डाई बैक, सिट्रस कैंकर, ग्रीनिंग आदि की पहचान एवं उनकी रोकथाम के उपाय बताए। डॉ. रघुवेंद्र ने किसानों को मित्र कीट जैसे लेडीबर्ड बीटल, क्राइसोपरला, मकड़ी, प्रेयिंग मेंटिस आदि की पहचान व उनका संरक्षण करके जैविक नियंत्रण को बढ़ावा देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इन मित्र कीटों की सुरक्षा से न केवल पर्यावरण संरक्षण होता है बल्कि फसलों के उत्पादन पर भी असर पड़ता है। कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि यह परियोजना 3 से 4 साल तक चलेगी। इस परियोजना के तहत प्रथम वर्ष सिर्फ 10 एकड़ के 2 बागों को ही गोद लिया गया है। इसके साथ-साथ धीरे-धीरे किसानों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कार्यक्रम में भाग लेने पर सभी का आभार व्यक्त किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज	**04.03.2021**	--	--

किन्नू में सूत्रकृमि की समस्या और उसका समाधान के प्रति किया जागरूक
कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ में खेत दिवस कार्यक्रम आयोजित

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ में किन्नू खेत दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के तत्वाधान में किया गया।

कार्यक्रम के दौरान केंद्र के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान, केंद्र नई दिल्ली द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ को अंगीकृत किया गया है। इस गांव का चयन किन्नू में समन्वित कीट प्रबंधन की रणनीतियों का विकास व वैधिकरण परियोजना के तहत अंगीकृत किया गया है। एनसीआईपीएम से सह-प्रोजेक्ट इन्वेस्टिगेटर डॉ. पी. एम. मीना ने संबोधित करते हुए बताया कि किन्नू में मुख्यतः सिट्रस सिल्ला, चूरडा, इल्ली, चेपा, सुरंगी कीट, दीमक आदि कीट लगते हैं, जो फसल को काफी नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने बताया कि इनकी रोकथाम कीटनाशकों के सुरक्षात्मक प्रयोग के द्वारा की जा सकती है। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सत्येंद्र ने किसानों को सूत्रकर्मी की समस्या के साथ-साथ उनके समाधान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही उन्होंने किसानों को मृदा जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए ट्राइकोडरमा का प्रयोग और रखरखाव आदि के बारे में बताया। उन्होंने किन्नू खेत के भ्रमण के उपरांत किसानों को फसल में मौजूद बीमारियां जैसे डाई बैक, सिट्रस कैंकर, ग्रीनिंग आदि की पहचान एवं उनकी रोकथाम के उपाय बताए।

किन्नू खेत दिवस के दौरान किसानों को जानकारी देते वैज्ञानिक।

डॉ. रघुवेंद्र ने किसानों को मित्र कीट जैसे लेडीबर्ड बीटल, क्राइसोपरला, मकड़ी, प्रेयिंग मेंटिस आदि की पहचान व उनका संरक्षण करके जैविक नियंत्रण को बढ़ावा देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इन मित्र कीटों की सुरक्षा से न केवल पर्यावरण संरक्षण होता है बल्कि फसलों के उत्पादन पर भी असर पड़ता है। कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि यह परियोजना 3 से 4 साल तक चलेगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**03.03.2021**	--	--

कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ में खेत दिवस कार्यक्रम आयोजित

किन्नू में सूत्रकृमि की समस्या और उसका समाधान के प्रति किया जागरूक

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ में किन्नू खेत दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के तत्वाधान में किया गया।

कार्यक्रम के दौरान केंद्र के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान, केंद्र नई दिल्ली द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ को अंगीकृत किया गया है। इस गांव का चयन किन्नू में समन्वित कीट प्रबंधन की रणनीतियों का विकास व वैधिकरण परियोजना के तहत अंगीकृत किया गया है। एनसीआईपीएम से सह-प्रोजेक्ट इन्वेस्टिगेटर डॉ. पी. एम. मीना ने संबोधित करते हुए बताया कि किन्नू में मुख्यतः सिट्रस सिल्ला, चूरडा, इल्ली, चेपा, सुरंगी कीट, दीमक आदि कीट लगते हैं, जो फसल को काफी नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने बताया कि इनकी रोकथाम कीटनाशकों के सुरक्षात्मक प्रयोग के द्वारा की जा सकती है। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सत्येंद्र ने किसानों को सूत्रकर्मी की समस्या के साथ-साथ उनके समाधान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही उन्होंने किसानों को मृदा जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए ट्राइकोडरमा का प्रयोग और रखरखाव आदि के बारे में बताया। उन्होंने किन्नू खेत के भ्रमण के उपरांत किसानों को फसल में मौजूद बीमारियां जैसे डाई बैक, सिट्रस कैंकर, ग्रीनिंग आदि की पहचान एवं उनकी रोकथाम के उपाय बताए। डॉ. रघुवेंद्र ने किसानों को मित्र कीट जैसे लेडीबर्ड बीटल, क्राइसोपरला, मकड़ी, प्रेयिंग मेंटिस आदि की पहचान व उनका संरक्षण करके जैविक नियंत्रण को बढ़ावा देने की सलाह दी।

उन्होंने कहा कि इन मित्र कीटों की सुरक्षा से न केवल पर्यावरण संरक्षण होता है बल्कि फसलों के उत्पादन पर भी असर पड़ता है। कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि यह परियोजना 3 से 4 साल तक चलेगी। इस परियोजना के तहत प्रथम वर्ष सिर्फ 10 एकड़ के 2 बागों को ही गोद लिया गया है। इसके साथ-साथ धीरे-धीरे किसानों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कार्यक्रम में भाग लेने पर सभी का आभार व्यक्त किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	**03.03.2021**	--	--

किन्नू में सूत्रकृमि की समस्या और उसका समाधान के प्रति किया जागरूक

पल पल न्यूज:हिसार, 3 मार्च। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ में किन्नू खेत दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के तत्वाधान में किया गया। कार्यक्रम के दौरान केंद्र के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान, केंद्र नई दिल्ली द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ को अंगीकृत किया गया है। इस गांव का चयन किन्नू में समन्वित कीट प्रबंधन की रणनीतियों का विकास व वैधिकरण परियोजना के तहत अंगीकृत किया गया है। एनसीआईपीएम से सह-प्रोजेक्ट इन्वेस्टिगेटर डॉ. पी. एम. मीना ने संबोधित करते हुए बताया कि किन्नू में मुख्यतः सिट्रस सिल्ला, चूरडा, इल्ली, चेपा, सुरंगी कीट, दीमक आदि कीट लगते हैं, जो फसल को काफी नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने बताया कि इनकी रोकथाम कीटनाशकों के सुरक्षात्मक प्रयोग के द्वारा की जा सकती है। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सत्येंद्र ने किसानों को सूत्रकर्मी की समस्या के साथ-साथ उनके समाधान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही उन्होंने किसानों को मृदा जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए ट्राइकोडरमा का प्रयोग और रखरखाव आदि के बारे में बताया। उन्होंने किन्नू खेत के भ्रमण के उपरांत किसानों को फसल में मौजूद बीमारियां जैसे डाई बैक, सिट्रस कैंकर, ग्रीनिंग आदि की पहचान एवं उनकी रोकथाम के उपाय बताए। डॉ. रघुवेंद्र ने किसानों को मित्र कीट जैसे लेडीबर्ड बीटल, क्राइसोपरला, मकड़ी, प्रेयिंग मेंटिस आदि की पहचान व उनका संरक्षण करके जैविक नियंत्रण को बढ़ावा देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इन मित्र कीटों की सुरक्षा से न केवल पर्यावरण संरक्षण होता है बल्कि फसलों के उत्पादन पर भी असर पड़ता है। कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि यह परियोजना 3 से 4 साल तक चलेगी। इस परियोजना के तहत प्रथम वर्ष सिर्फ 10 एकड़ के 2 बागों को ही गोद लिया गया है। इसके साथ-साथ धीरे-धीरे किसानों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कार्यक्रम में भाग लेने पर सभी का आभार व्यक्त किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**03.03.2021**	--	--

हकृवि ने मनाया किन्नू खेत दिवस

हिसार/03 मार्च/रिपोर्टर
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के तत्वावधान में किन्नू खेत दिवस आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान केंद्र के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान, केंद्र नई दिल्ली द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ को अंगीकृत किया गया है। इस गांव का चयन किन्नू में समन्वित कीट प्रबंधन की रणनीतियों का विकास व वैधिकरण परियोजना के तहत अंगीकृत किया गया है। एनसीआईपीएम से सह प्रोजैक्ट इन्वेस्टिगेटर डॉ. पीएम मीना ने संबोधित करते हुए बताया कि किन्नू में मुख्यत: सिट्रस सिल्ला, चूरडा, इल्ली, चेपा, सुरंगी कीट, दीमक आदि कीट लगते हैं, जो फसल को काफी नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने बताया कि इनकी रोकथाम कीटनाशकों के सुरक्षात्मक प्रयोग के द्वारा की जा सकती है। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सत्येंद्र ने किसानों को सूत्रकर्मी की समस्या के साथ-साथ उनके समाधान के बारे में जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	03.03.2021	--	--

कृषि विज्ञान केंद्र खेत दिवस कार्यक्रम आयोजित

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ में किन्नू खेत दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के तत्वाधान में किया गया। कार्यक्रम के दौरान केंद्र के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान, केंद्र नई दिल्ली द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ को अंगीकृत किया गया है। इस गांव का चयन किन्नू में समन्वित कीट प्रबंधन की रणनीतियों का विकास व वैधिकरण परियोजना के तहत अंगीकृत किया गया है।

एनसीआईपीएम से सह-प्रोजेक्ट इन्वेस्टिगेटर डॉ. पी. एम. मीना ने संबोधित करते हुए बताया कि किन्नू में मुख्यतः सिट्रस सिल्ला, चूरडा, इल्ली, चेपा, सुरंगी कीट, दीमक आदि कीट लगते हैं, जो फसल को काफी नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने बताया कि इनकी रोकथाम कीटनाशकों के सुरक्षात्मक प्रयोग के द्वारा की जा सकती है। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सत्येंद्र ने किसानों को सूत्रकर्मी की समस्या के साथ-साथ उनके समाधान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही उन्होंने किसानों को मृदा जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए ट्राइकोडरमा का प्रयोग और रखरखाव आदि के बारे में बताया। उन्होंने किन्नू खेत के भ्रमण के उपरांत किसानों को फसल में मौजूद बीमारियां जैसे डाई बैक, सिट्रस कैंकर, ग्रीनिंग आदि की पहचान एवं उनकी रोकथाम के उपाय बताए। डॉ. रघुवेंद्र ने किसानों को मित्र कीट जैसे लेडीबर्ड बीटल, क्राइसोपरला, मकड़ी, प्रेयिंग मेंटिस आदि की पहचान व उनका संरक्षण करके जैविक नियंत्रण को बढ़ावा देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इन मित्र कीटों की सुरक्षा से न केवल पर्यावरण संरक्षण होता है बल्कि फसलों के उत्पादन पर भी असर पड़ता है। कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि यह परियोजना 3 से 4 साल तक चलेगी। इस परियोजना के तहत प्रथम वर्ष सिर्फ 10 एकड़ के 2 बागों को ही गोद लिया गया है। इसके साथ-साथ धीरे-धीरे किसानों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। भाग लेने पर सभी का आभार व्यक्त किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे न्यूज	**03.03.2021**	--	--

किन्नू में सूत्रकृमि की समस्या और उसका समाधान के प्रति किया जागरूक

टुडे न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ में किन्नू खेत दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के तत्वाधान में किया गया। कार्यक्रम के दौरान केंद्र के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान, केंद्र नई दिल्ली द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ को अंगीकृत किया गया है। इस गांव का चयन किन्नू में समन्वित कीट प्रबंधन की रणनीतियों का विकास व वैधिकरण परियोजना के तहत अंगीकृत किया गया है।

एनसीआईपीएम से सह-प्रोजेक्ट इन्वेस्टिगेटर डॉ. पी. एम. मीना ने संबोधित करते हुए बताया कि किन्नू में मुख्यतः सिट्रस सिल्ला, चूरडा, इल्ली, चेपा, सुरंगी कीट, दीमक आदि कीट लगते हैं, जो फसल को काफी नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने बताया कि इनकी रोकथाम कीटनाशकों के सुरक्षात्मक प्रयोग के द्वारा की जा सकती है। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सत्येंद्र ने किसानों को सूत्रकर्मी की समस्या के साथ-साथ उनके समाधान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही उन्होंने किसानों को मृदा जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए ट्राइकोडरमा का प्रयोग और रखरखाव आदि के बारे में बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**03.03.2021**	--	--

किन्नू में सूत्रकृमि की समस्या और उसका समाधान के प्रति किया जागरूक

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 3 मार्च : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ में किन्नू खेत दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के तत्वाधान में किया गया। कार्यक्रम के दौरान केंद्र के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान, केंद्र नई दिल्ली द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ को अंगीकृत किया गया है। इस गांव का चयन किन्नू में समन्वित कीट प्रबंधन की रणनीतियों का विकास व वैधिकरण परियोजना के तहत अंगीकृत किया गया है। एनसीआईपीएम से सह-प्रोजेक्ट इन्वेस्टिगेटर डॉ. पी. एम. मीना ने संबोधित करते हुए बताया कि किन्नू में मुख्यत: सिट्रस सिल्ला, चूरडा, इल्ली, चेपा, सुरंगी कीट, दीमक आदि कीट लगते हैं, जो फसल को काफी नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने बताया कि इनकी

रोकथाम कीटनाशकों के सुरक्षात्मक प्रयोग के द्वारा की जा सकती है। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सत्येंद्र ने किसानों को सूत्रकर्मी की समस्या के साथ-साथ उनके समाधान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही उन्होंने किसानों को मृदा जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए ट्राइकोडरमा का प्रयोग और रखरखाव आदि के बारे में बताया। उन्होंने किन्नू खेत के भ्रमण के उपरांत किसानों को फसल में मौजूद बीमारियां जैसे डाई बैक, सिट्रस कैंकर, ग्रीनिंग आदि की पहचान एवं उनकी रोकथाम के उपाय बताए। डॉ. रघुवेंद्र ने किसानों को मित्र कीट जैसे लेडीबर्ड बीटल, क्राइसोपरला, मकड़ी, प्रेयिंग मेंटिस आदि की पहचान व उनका संरक्षण करके जैविक नियंत्रण को बढ़ावा देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इन मित्र कीटों की सुरक्षा से न केवल पर्यावरण संरक्षण होता है बल्कि फसलों के उत्पादन पर भी असर पड़ता है। कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि यह परियोजना 3 से 4 साल तक चलेगी। इस परियोजना के तहत प्रथम वर्ष सिर्फ 10 एकड़ के 2 बागों को ही गोद लिया गया है। इसके साथ-साथ धीरे-धीरे किसानों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कार्यक्रम में भाग लेने पर सभी का आभार व्यक्त किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	03.03.2021	--	--

किन्नू में सूत्रकृमि की समस्या और उसका समाधान के प्रति किया जागरूक

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ में किन्नू खेत दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान केंद्र के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान, केंद्र नई दिल्ली द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ को अंगीकृत किया गया है। इस गांव का चयन किन्नू में समन्वित कीट प्रबंधन की रणनीतियों का विकास व वैधिकरण परियोजना के तहत अंगीकृत किया गया है। एनसीआईपीएम से सह-प्रोजैक्ट इन्वेस्टिगेटर डॉ. पी. एम. मीना ने बताया कि किन्नू में मुख्यत: सिट्रस सिल्ला, चूरडा, इल्ली, चेपा, सुरंगी कीट, दीमक आदि कीट लगते हैं, जो फसल को काफी नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने बताया कि इनकी रोकथाम कीटनाशकों के सुरक्षात्मक प्रयोग के द्वारा की जा सकती है। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सत्येंद्र ने किसानों को सूत्रकर्मी की समस्या के साथ-साथ उनके समाधान के बारे में जानकारी दी। साथ ही उन्होंने किसानों को मृदा जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए ट्राइकोडरमा का प्रयोग और रखरखाव आदि के बारे में बताया। डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि यह परियोजना 3 से 4 साल तक चलेगी। इस परियोजना के तहत प्रथम वर्ष सिर्फ 10 एकड़ के 2 बागों को ही गोद लिया गया है। इसके साथ-साथ धीरे-धीरे किसानों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जीवन आधार	**03.03.2021**	**Online**	**--**

खेती

किन्नू में सूत्रकृमि की समस्या और उसका समाधान के प्रति किया जागरूक

SHARE 0

कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ में खेत दिवस कार्यक्रम आयोजित

हिसार,
हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर की ओर से खारा बरवाला व किशनगढ़ गांव में किन्नू खेत दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में केंद्र के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय नाशी जीव प्रबंधन अनुसंधान, केंद्र नई दिल्ली द्वारा गांव खारा बरवाला किशनगढ़ को अंगीकृत किया गया है। इस गांव का चयन किन्नू में समन्वित कीट प्रबंधन की रणनीतियों का विकास व वैधिकरण परियोजना के तहत अंगीकृत किया गया है। एनसीआईपीएम से सह-प्रोजेक्ट इन्वेस्टिगेटर डॉ. पीएम मीना ने बताया कि किन्नू में मुख्यतः सिट्रस सिल्ला, चुरडा, इल्ली, चेपा, सुरंगी कीट, दीमक आदि कीट लगते हैं, जो फसल को काफी नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने बताया कि इनकी रोकथाम कीटनाशकों के सुरक्षात्मक प्रयोग के द्वारा की जा सकती है। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सतेंद्र ने किसानों को सूत्रकर्मी की समस्या के साथ-साथ उनके समाधान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही उन्होंने किसानों को मृदा जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए ट्राइकोडरमा का प्रयोग और रखरखाव आदि के बारे में बताया। उन्होंने किन्नू खेत के भ्रमण के उपरांत किसानों को फसल में मौजूद बीमारियां जैसे डाई बैक, सिट्रस कैंकर, ग्रीनिंग आदि की पहचान एवं उनकी रोकथाम के उपाय बताए। डॉ. रघुवेंद्र ने किसानों को मित्र कीट जैसे लेडीबर्ड बीटल, क्राइसोपरला, मकड़ी, प्रेयिंग मेंटिस आदि की पहचान व उनका संरक्षण करके जैविक नियंत्रण को बढ़ावा देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इन मित्र कीटों की सुरक्षा से न केवल पर्यावरण संरक्षण होता है बल्कि फसलों के उत्पादन पर भी असर पड़ता है। कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि यह परियोजना 3 से 4 साल तक चलेगी। इस परियोजना के तहत प्रथम वर्ष सिर्फ 10 एकड़ के 2 बागों को ही गोद लिया गया है। इसके साथ-साथ धीरे-धीरे किसानों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कार्यक्रम में भाग लेने पर सभी का आभार व्यक्त किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....दैनिक भास्कर....

दिनांक ..5..3..2021... पृष्ठ संख्या ....2.... कॉलम ....5....

एचएयू में हुई स्पर्धा में छाए डीएन कॉलेज के छात्र

हिसार | भाषा एवं हरियाणवी संस्कृति विभाग, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी कॉलेज चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के द्वारा अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं में डीएन कॉलेज के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कॉलेज के दीपक ने जल के महत्व पर आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। हिन्दी को अपना गर्व और स्वाभिमान बताते हुए छात्रा भावना ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। हिंदी की दशा और दिशा पर स्वरचित कविता प्रस्तुत करके अंतिम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**03.03.2021**	--	--

दीपक ने बनाया श्रेष्ठ पोस्टर व अंतिम ने सुनाई स्वरचित कविता

हिसार/03 मार्च/रिपोर्टर

भाषा एवं हरियाणवी संस्कृति विभाग, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्याल द्वारा मातृभाषा को महत्व देते हुए अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। दयानंद महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने इन प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा की अतुल छाप छोड़ी। दीपक ने जल के महत्व पर आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रत्येक प्राणी को जल की आवश्यकता है, जल की हर बूंद जीवन का आधार है, इस भाव से संयोजित पोस्टर बनाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। मातृभाषा ही हमारी अभिव्यक्ति का प्राण है, आज पाश्चात्यता की अंधी दौड़ में जहां अंग्रेजी भाषा का जादू लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है, हिन्दुस्तान में अपनी ही धरा पर अपनी ही हिंदी की दशा और दिशा पर स्वरचित कविता प्रस्तुत करके दयानंद महाविद्यालय की छात्रा अंतिम ने वहां बैठे सभी श्रोताओं के दिल के तारों को हिन्दी में छेड़कर संपूर्ण प्रतियोगिता में छाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। जहां एक ओर हमारे विद्यार्थियों ने कविता पाठ प्रतियोगिता में अपने स्वर्ण हस्ताक्षर दिए वहीं दूसरी ओर हिन्दी को अपना गर्व और स्वाभिमान बताते हुए की छात्रा भावना ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर दयानंद महाविद्यालय की गरिमा को गौरवांवित किया। प्राचार्य ने विजेता विद्यार्थियों को साधुवाद व शाबाशी दी। उन्होंने कहा कि इस सफलता के लिए हिन्दी विभाग बधाई का पात्र है जिन्होंने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर उन्हें प्रेरित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर..........

दिनांक 4.3.2021 ....पृष्ठ संख्या......4...........कॉलम.......3-8........

समावेश • धान-गेहूं और ज्वार-गेहूं के फसल चक्र में मूंग का समावेश कर बढ़ा सकते हैं उर्वरा शक्ति

किसान मार्च में ग्रीष्मकालीन मूंग की किस्म से बढ़ा सकते हैं आमदनी

महबूब अली | हिसार

किसान ग्रीष्मकालीन मूंग उगाकर अच्छी आमदनी के साथ धान-गेहूं तथा ज्वार-गेहूं फसल चक्र में मूंग का समावेश कर भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ा सकते हैं। धान-गेहूं फसल चक्र के लंबे समय से प्रचलन के कारण भूमि की उर्वरा शक्ति में कमी आ रही है। किसान एमएच-421, एमएच-318, बसंती, सत्या व एसएमएल-668, किस्मों की बुआई कर प्रति एकड 4 क्विंटल तक पैदावार ले सकते हैं। एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि किसानों को मार्च व अप्रैल में मूंग की फसल बोने की जानकारी दी जा रही है। इसके लिए एचएयू के वैज्ञानिक व कृषि विशेषज्ञ वेबिनार व सोशल मीडिया के से किसानों को टिप्स दे रहे हैं।

जानिए.. ग्रीष्म कालीन मूंग उगाने के लाभ

- ग्रीष्म में खरपतवारों का प्रकोप कम होता है
- कम आद्र्रता के कारण बीमारियों व कीड़ों का प्रकोप कम होता है
- जल्दी पकने से वर्षा आदि से बचाव हो जाता है
- प्राकृतिक संसाधनों का सदुपयोग हो जाता है
- किसान की अतिरिक्त आय के साथ देश की विदेशी मुद्रा की बचत होती है।

मूंग फसल चक्र में मूल्य संवर्धन का भी करती है कार्य

प्रो. समर सिंह ने बताया कि ग्रीष्मकालीन मूंग प्रचलित धान-गेहूं के फसल चक्र में मूल्य संवर्धन का कार्य करती है। धान-गेहूं के अलावा तोरई, आलू, सरसों, मटर, गन्ना व कभी-कभी रबी की फसल खराब होने के कारण भी खेत मार्च महीने से अगली खरीफ की फसल लगने तक खाली रहते हैं। ऐसे खेतों में ग्रीष्म कालीन मूंग को उगाकर उनका सदुपयोग किया जा सकता है।

- **भूमि का चयन व तैयारीः** मूंग के लिए दोमट मिट्टी या रेतीली दोमट मिट्टी उपयुक्त रहती है, लेकिन भारी मिट्टी में भी खेती हो सकती है।

- **बिजाई का समयः** ग्रीष्मकालीन मूंग की बिजाई मार्च उत्तम है लेकिन अप्रैल के पहले पखवाड़े तक भी इसकी बिजाई हो सकती है। पछेती बिजाई से अधिक तापमान, गर्म शुष्क हवा तथा अगेती मानसून का उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है।
- **बीजोपचारः** बीज को बोने से पहले पानी में भिगोयें। हल्का व खराब बीज पानी में तैर जायेगा इसे निकाल दें। इसके बाद बीज को सुखाएं। जड़ गलन रोग से बचाव के लिए प्रति किलो बीज को 4 ग्राम थाईरम से उपचारित करें।
- **उर्वरकः** बिजाई के समय एक एकड़ में 6-8 किलो नाइट्रोजन व 16 किलो फास्फोरस डालें। इसके लिए 13-17 किलो यूरिया व 100 किलो सिंगल सुपर फास्फेट बिजाई के समय डालें।